Greenlawns School - Worli

Final Examination - 2016 -2017

कक्षा :- नौवीं

विषय :- हिंदी

पूर्णांक :- 80

दिनांक :- 23.02.17

समय :- 3 घण्टे

सूचना :-

1. प्रथम पंद्रह मिनट प्रश्न - पत्र को ध्यानपूर्वक पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।
2. प्रश्न - पत्र के दो भाग हैं " अ " तथा " ब " ।
3. भाग " अ " के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।
4. भाग " ब " में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।
5. प्रश्न - पत्र के पृष्ठों की संख्या 10 है ।

Section A (40 Marks)

Attempt ALL Questions

विभाग - अ (अंक - ४०)

भाषा - विभाग

Question 1) Write a Short Composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics :- (15)

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर २५० शब्दों में निबंध लिखिए :-

i. काला धन सीधे – सीधे देश में बढ़ते भ्रष्टाचार का परिणाम है । यह देश की प्रगति में बाधक है । इस विषय पर विचार व्यक्त करते हुए इसकी रोकथाम के संबंध में अपने विचार व्यक्त कीजिए ।

ii. व्यक्ति की उन्नति में उसके संस्कारों, शिक्षा एवं सामाजिक परिवेश का योगदान होता है, परंतु आज के समाज में लोगों में प्रगति के लिए स्वार्थपरता एवं अनैतिकता का बोलबाला हो गया है । इस मानसिकता के बढ़ने के

कारणों तथा वर्तमान परिवेश में बदलाव लाने हेतु सुझाव देते हुए अपने विचार प्रस्तुत कीजिए ।

iii. " ऊँचे लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए माता – पिता तथा अध्यापकों द्वारा बच्चों पर डाला जानेवाला दबाव अनुचित है । " इस विषय के पक्ष या विपक्ष में अपने विचार दीजिए ।

iv. एक मौलिक कहानी लिखिए जिसका आधार निम्नलिखित उक्ति हो :-

" कोयलों की दलाली में मुँह काला "

v. नीचे, दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर कोई घटना , कहानी या लेख लिखिए , पर ध्यान रहे विषय का सीधा संबंध चित्र से होना चाहिए :-

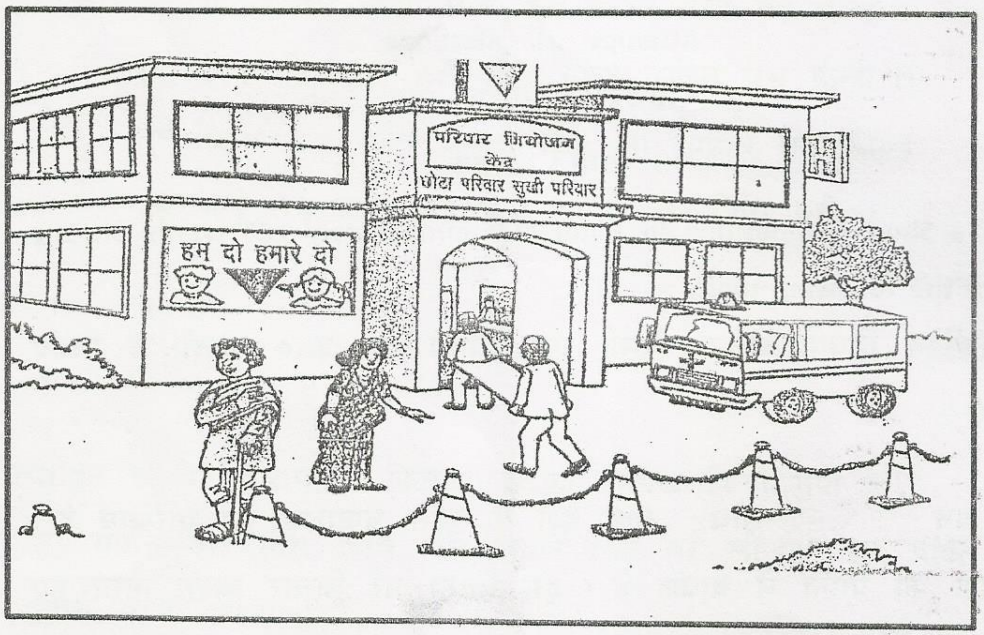

Question 2) Write a letter in Hindi in approximately 120 words on any one of the topics given below :- (7)

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिंदी में लगभग १२० शब्दों में पत्र लिखिए :-

i. आपका छोटा भाई किसी दूसरे शहर में एक आवासीय विद्यालय में पढ़ता है। उसे एक पत्र लिखकर उसे किताबी कीड़ा न बन कर नाटक, वाद – विवाद आदि में भाग लेने के लिए प्रेरित कीजिए। साथ ही यह भी लिखिए कि नाटक और वाद – विवाद में भाग लेने से क्या लाभ होते हैं?

अथवा

ii. अपने क्षेत्र के स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखकर आपके क्षेत्र में खाद्य वस्तुओं में 'मिलावट की घटनाओं के प्रति उनका ध्यान आकर्षित कीजिए और इससे जनता को किस - किस प्रकार की मुसीबतों का सामना करना पड़ता हैं? यह बताते हुए अपने सुझाव भी दीजिए।

Question 3) Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible :- (10)

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके शब्दों में होने चाहिए :-

काशी संस्कृत – विद्या का पुराना केंद्र है। उसे भगवान विश्वनाथ की नगरी या विश्वनाथपुरी भी कहा जाता है। वहीं विश्वनाथ जी का बहुत प्राचीन मंदिर है। एक दिन विश्वनाथ जी के पुजारी ने स्वप्न में देखा कि भगवान विश्वनाथ उससे मंदिर में विद्वानों तथा धर्मात्मा लोगों की सभा बुलाने को कह रहे हैं। पुजारी ने दूसरे दिन सबेरे ही यह घोषणा करवा दी। काशी के सभी विद्वान, साधु और दूसरे पुण्यात्मा दीन लोग गंगा जी में स्नान करके मंदिर में आए। सबने विश्वनाथ जी को जल चढ़ाया, प्रदक्षिणा की, और सभा मंडप में आए तथा बाहर खड़े हो गए। उस दिन मंदिर में बहुत भीड़ थी। सबके आ जाने पर पुजारी ने सबको अपना स्वप्न बताया। सब लोग "हर हर – महादेव" की ध्वनि करके शंकर जी की प्रार्थना करने लगे। जब भगवान की आरती हो गई, घड़ी – घंटे के शब्द बंद हो गए और सब लोग प्रार्थना कर चुके तब सबने देखा कि मंदिर में अचानक खूब प्रकाश हो गया है। भगवान विश्वनाथ की मूर्ति के पास ही

सोने का एक पात्र पड़ा था, जिस पर बड़े – बड़े रत्न जड़े हुए थे। उन रत्नों की चमक से ही मंदिर में प्रकाश हो रहा था। पुजारी ने रत्न जड़ित स्वर्णपत्र उठा लिया। उस पर हीरों के अक्षरों में लिखा था – " सबसे बड़े दयालु और पुण्यात्मा के लिए यह विश्वनाथ जी का उपहार है। " पुजारी बड़े त्यागी और सच्चे भगवद्भक्त थे। उन्होंने वह पत्र उठाकर सबको दिखाया। वे बोले – " प्रत्येक सोमवार को यहाँ विद्वानों की सभा होगी। जो सबसे बड़ा पुण्यात्मा और दयालु अपने को सिद्ध कर देगा, उसे यह स्वर्णपत्र दिया जाएगा। " देश में चारों ओर यह समाचार फैल गया। दूर – दूर से तपस्वी, त्यागी व्रत करने वाले, दान करने वाले लोग काशी आने लगे। एक ब्राह्मण ने कई महीने लगातार चंद्रायण – व्रत किया था। वे उस स्वर्णपत्र को लेने आए, लेकिन जब स्वर्णपत्र उन्हें दिया गया, उनके हाथ में जाते ही वह मिट्टी का हो गया। लज्जित होकर उन्होंने उसे लौटा दिया। पुजारी के हाथ में जाते ही वह फिर सोने का हो गया और उसके रत्न चमकने लगे।

एक बाबू जी ने बहुत से विद्यालय बनवाए थे। कई स्थानों पर वह सेवाश्रम चलाते थे। दान करते-करते उन्होंने अपना लगभग सारा धन खर्च दिया था। बहुत सी संस्थाओं को वे सदा दान देते थे। अखबारों में उनका नाम छपता था। वे भी स्वर्णपत्र लेने आए, किन्तु उनके हाथ में जाकर भी वह मिट्टी का हो गया। पुजारी ने उनसे कहा, " आप पद, मान या यश के लोभ से दान करते जान पड़ते हैं। नाम की इच्छा से किया जाने वाला दान, सच्चा दान नहीं है। "

इसी प्रकार बहुत से लोग आए, किंतु, कोई स्वर्णपत्र नहीं पा सका। सबके हाथों में पहुँचकर वह मिट्टा का हो जाता था। कई महीने बीत गए। बहुत से लोग स्वर्णपत्र पाने के लोभ से भगवान विश्वनाथ के मन्दिर के पास ही दान पुण्य करने लगे, लेकिन उन्हें स्वर्णपत्र नहीं मिला। एक दिन एक बूढ़ा देहाती किसान भगवान विश्वनाथ के दर्शन करने काशी आया। वह बहुत निर्धन था। उसके कपड़े मैले और फटे हुए थे।

वह केवल विश्वनाथ जी के दर्शन करने आया था। उसके पास कपड़े में बँधा थोड़ा सत्तू और एक फटा कंबल था। मंदिर के पास लोग गरीबों को कपड़े और पूरी-मिठाई बाँट रहे थे किंतु एक कोढ़ी मंदिर से दूर पड़ा कराह रहा था। उससे उठा नहीं जाता था। उसके सारे शरीर में घाव थे। वह भूखा था किंतु उसकी ओर कोई देखता तक नहीं था। बूढ़े किसान ने अपना सत्तू उसे खाने को दे दिया और अपना कंबल उसे ओढ़ा दिया, वह फिर मंदिर दर्शन करने गया। अब मंदिर के पुजारी ने अब नियम बना लिया था कि सोमवार को जितने यात्री दर्शन करने आते थे, सबके हाथ में एक बार वह स्वर्णपत्र रखते थे। बूढ़ा किसान जब विश्वनाथ जी के दर्शन करके मंदिर से निकला, पुजारी ने स्वर्णपत्र उसके हाथ में रख दिया।

उसके हाथ में जाते ही स्वर्णपत्र में जड़े रत्न दुगुने प्रकाश से चमकने लगे। यह देख सब लोग आश्चर्यचकित रह गए। पुजारी ने कहा, "यह स्वर्णपत्र तुम्हें विश्वनाथ जी ने दिया है। जो निर्लोभी है, जो दीनों पर दया करता है, बिना किसी स्वार्थ के दान करता है और दुखियों की सेवा करता है वह सबसे बड़ा पुण्यात्मा है।

प्रश्न :-

i. काशी किसलिए प्रसिद्ध है? उसका दूसरा नाम बताते हुए पुजारी ने स्वप्न में क्या देखा और उसके पश्चात उसने क्या किया? लिखिए। (2)

ii. मंदिर में प्रकाश कब हुआ और कैसे? (2)

iii. परमदानी बाबू ने स्वयं को स्वर्णपत्र का अधिकारी क्यों समझा? उनके हाथ में आने पर स्वर्णपत्र मिट्टी का क्यों हो गया? (2)

iv. जब पुजारी ने स्वर्णपत्र बूढ़े देहाती किसान के हाथ में रखा तब क्या चमत्कार हुआ और क्यों? (2)

v. इस गद्यांश से आपको क्या सीख मिलती है?? (2)

Question 4) Answer the following according to the instructions given :-

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :-

i. निम्न शब्दों के भाववाचक संज्ञा शब्द लिखिए :- (1)

1. विधवा 2. उड़ना

ii. निम्न शब्दों के विशेषण शब्द लिखिए :- (1)

1. ओज 2. वन

iii. निम्न शब्दों के विलोम शब्द लिखिए :- (1)

1. रचना 2. यथार्थ

iv. निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए :- (1)

1. निर्मल 2. धर्म

v. निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक की सहायता से वाक्य बनाइए :- (1)

1. जूतियाँ चटकाना - 2. तिल धरने की जगह न होना

vi. कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए :- (3)

1. पुजारी सच्चे भगवद्भक्त थे ।
(लिंग बदलकर वाक्य पुनः लिखिए ।)

2. धन – ऐश्वर्य की अधिकता से मनुष्य सुखी और शांत नहीं हो सकता ।
(" सुख और शांति " .... से वाक्य शुरू कीजिए ।)

3. वह भूखा था किंतु कोई उसकी ओर देखता तक नहीं था ।।
(वाक्य में से " नहीं " हटाइए , परंतु वाक्य का अर्थ न बदले ।)

Section B (40 Marks)

Attempt ANY 4 Questions

Attempt at least One - One Question from 2 books

विभाग - ब (अंक - ४०)

साहित्य - विभाग (गद्य - विभाग)

इस भाग से कुल ४ प्रश्न करने हैं ।

चयनित प्रत्येक पुस्तक में से एक - एक प्रश्न लिखना अनिवार्य हैं ।

संक्षिप्त — कहानियाँ

Question 5) Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :- (10)

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :-

" आनंदी खून का घूँट पीकर रह गयी । "

" बड़े घर की बेटी "

लेखक - प्रेमचंद

प्रश्न :-

i. इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए । (2)

ii. आनंदी को किसके कारण खून का घूँट पीना पड़ा ? उसका परिचय दीजिए । (2)

iii. आनंदी ने अपने मायके की श्रेष्ठता किस प्रकार सिद्ध की ? उसने इसके लिए किस लोकोक्ति का प्रयोग किया व क्यों ? (3)

iv. स्त्रियों के विषय में किस — किस बात को विशेष रूप से कहा गया है ? (3)

Question 6) Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :- (10)

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :-

" हालदार साहब को पानवाले द्वारा एक देशभक्त का इस तरह मज़ाक उड़ाया जाना अच्छा नहीं लगा । मुड़कर देखा तो अवाक् रह गए । "

" नेताजी का चश्मा "

लेखक — स्वयं प्रकाश

प्रश्न :-

i. हालदार साहब क्या देखकर अवाक् रह गए और क्यों ? (2)

ii. लेखक ने देशभक्त का जो चित्र खींचा है, उसका अपने शब्दों में वर्णन कीजिए । (2)

iii. हालदार साहब की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए । (3)

iv. ' नेताजी का चश्मा ' इस पाठ का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए । (3)

Question 7) Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :- (10)

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :-

" मैं असमंजस में रहा । तब वह प्रेत गति से आगे की ओर बढ़ा और कुहरे में मिल गया । हम भी होटल की ओर बढ़े । "

" अपना — अपना भाग्य "

लेखक — यशपाल

प्रश्न :-

i. " हम " शब्द से तात्पर्य किससे है ? वे लोग कहाँ थे और वहाँ का मौसम किस प्रकार का था ? (2)

ii. प्रेत गति से आगे बढ़ने का क्या आशय है ? लेखक ने इस शब्द का प्रयोग किसके लिए व क्यों किया ? (2)

iii. असमंजस में कौन था ? कारणसहित स्पष्ट कीजिए । (3)

iv. ' अपना - अपना भाग्य ' इस पाठ के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए । (3)

पद्य - विभाग

Question 8) Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :- (10)

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :-

" बूढ़े पीपल ने आगे बढ़, जुहार की
' बरस बाद सुधि लीन्हीं
बोली अकुलाई लता ओट हो किवार की,
हरषाया ताल लाया पानी परात भर के,

मेघ आए बड़े बन - ठन के सँवर के ।

" मेघ आए "

कवि - सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

प्रश्न :-

i. यहाँ मेहमान किसे कहा जा रहा है व क्यों ? (2)

ii. तालाब ने किस परंपरा का निर्वाह कैसे किया है ? (2)

iii. जुहार शब्द का क्या अर्थ है ? पीपल को बूढ़ा क्यों कहा गया है और उसने ही मेघों की जुहार क्यों की ? (3)

iv. मेघ का स्वागत प्रकृति ने किन - किन रूपों में और किस प्रकार से किया हैं ? (3)

Question 9) Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :- (10)

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :-

" सबको मुक्त प्रकाश चाहिए
सबको मुक्त समीरण
बाधा रहित विकास मुक्त
आशंकाओं से जीवन ।
लेकिन विघ्न अनेक अभी
इस पथ पर अड़े हुए हैं
मानवता की राह रोक
पर्वत अड़े हुए हैं । "

' स्वर्ग बना सकते हैं '

कवि - रामधारी सिंह दिनकर

प्रश्न :-

i. मुक्त प्रकाश और समीरण से क्या तात्पर्य है ? (2)

ii. उपरोक्त पंक्तियों के अनुसार कवि क्या अनुभव करते हैं ? (2)

उलटकर देखिए

iii. पर्वत किसे कहा गया है और वे किसकी राह रोके हुए है व किस प्रकार ? स्पष्ट कीजिए । (3)

iv. वर्तमान संदर्भ में उपरोक्त पंक्तियों की सार्थकता प्रमाणित कीजिए । (3)

Question 10) Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :- (10)

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :-

" ऐसो को उदार जग माहीं ।
बिनु सेवा जो द्रवै दीन पर राम सरिस कोउ नाहीं ।।
जो गति जोग विराग जतन करि नहिं पावत मुनि ज्ञानी ।
सो गति देत गीध सबरी कहूँ, प्रभु न बहुत जियँ जानी ।।
जो संपत्ति दस सीस अरप करि रावन सिव पहँ लीन्ही ।
सो संपदा विभीषण कहँ अति सकुच सहित प्रभु दीन्हीं ।।
तुलसीदास सब भाँति सकल सुख, जो चाहसि मन मेरो ।
तौ भजु राम काम सब पूरन करिहिं कृपानिधि तेरो ।। "

विनय के पद

कवि :- तुलसीदास

प्रश्न :-

i. उपरोक्त पद में श्रीराम के किन गुणों का उल्लेख किया गया है ? (2)

ii. ' जो संपत्ति दस सीस अरप करि रावण सिव पहँ लीन्ही ' इस पंक्ति का भावार्थ स्पष्ट कीजिए । (2)

iii. कवि का साहित्यिक परिचय दीजिए । (3)

iv. शब्दार्थ लिखिए :- (3)

द्रवै, विराग, जतन, सकुच, सकल, कृपानिधि ।

---------- स मा प्त ----------